महाविद्यालय समाचार दर्शन

अंक- ३२ अक्टूबर २०२१ से दिसम्बर २०२१

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ एवं विद्यार्थी व्यक्तित्व उन्नयन

प्रमुख सुर्खियाँ

- 2 अक्टूबर पर महात्मा गांधी जी की 152 वी जयंती का आयोजन।
- गोद ग्राम डोंगरवाडा में नशामुक्ति एवं स्वच्छता अभियान।
- राज्य स्तरीय वन्यजीव संरक्षण सप्ताह।
- आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत क्लीन इंडिया कार्यक्रम।
- 5 एमपी गर्ल्स बटालियम में एन.सी.सी केडेट का चयन।
- वेक्सिीनेशन का महाभियान।
- मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण पर तीन दिवसीय वेबीनार।
- रासेयो का 7 दिवसीय केम्प गोद ग्राम डोंगरवाडा में समपन्न।

वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन के लिए तीन दिवसीय वेबिनार का आयोजन

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन
प्राचार्य एवं संरक्षक

डॉ. (श्रीमती) रश्मि श्रीवास्तव
गुणवत्ता प्रकोष्ठ प्रभारी

संपादक मण्डल
डॉ. श्रीकान्त दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार

मुद्रण एवं ग्राफिक्स
जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, राजेश कुमार यादव एवं मनोज कुमार सिसोदिया

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, होशंगाबाद (म.प्र.)

प्राचार्य की कलम से.....

महाविद्यालय समाचार दर्शन के बत्तीसवें अंक के प्रकाशन पर अत्यंत हर्ष का अनुभव कर रही हूँ। माह अक्टूबर से दिसम्बर 2021 के मध्य छात्राओं के व्यक्तित्व निर्माण एवं नैतिक गुणवत्ता के उन्नयन हेतु महाविद्यालय में सतत् शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहा है। महाविद्यालय में कार्यरत विभिन्न समितियों, प्रकोष्ठ एवं विभागों की महाविद्यालय में सचालित गतिविधियों में अहम भूमिका रही है।

इस तिमाही में मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण, केचुआ खाद निर्माण, मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर आदि कार्यक्रम संपन्न किये गये है। महाविद्यालय का वातावरण एवं महाविद्यालयीन परिवार का सहयोग छात्राओं के भविष्य निर्माण में नींव का पत्थर सिद्ध होगा। मैं इस अंक के प्रकाशन के लिए महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ एवं बधाई देती हूँ।

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन

प्राचार्य एवं संरक्षक

संपादकीय .....

महाविद्यालय 'समाचार दर्शन' का नवीन अंक आपके सामने प्रस्तुत है। 'समाचार दर्शन' के पूर्व में प्रकाशित अंकों में आपकी सराहना से हम हर्षित

है। आपकी प्रेरणा से प्रेरित हो नवीन अंक को ओर अधिक बेहतर बनाने हेतु प्रेरित है । वेक्सीनेशन का महाभियान चलाया गया जिसमें छात्राओं ने एवं आमजनों ने इसमें बढ़ चढ कर भाग लिया। शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर उपलब्धियों के मान से यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय रहा है। जिन छात्राओं ने अपनी योग्यता को सिद्ध किया है। उन्हें शुभकामनाएँ।

महात्मा गांधी जी की 152 वीं जयंती शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैं आज महात्मा गांधी जी की 152 वी जयंती पर महाविद्यालय में महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर प्राचार्य डॉ कामिनी जैन एवं विधायक प्रतिनिधि श्रीमती संध्या थापक द्वारा माल्यार्पण किया गया।

एन.एस.एस, एन.सी.सी की छात्राओं एवं संगीत विभाग के श्री प्रेमकांत कटंगकार, श्री रामसेवक शर्मा ने महात्मा गांधी जी के प्रिय भजन वैष्णव जन तो तेने कहिए एवं रघुपति राघव राजा राम का गायन किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के द्वारा महात्मा गांधी के जीवन दर्शन और उनके सकारात्मक विचारों से छात्राओं को अवगत कराया एवं उनके द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष पूर्ण कार्यों को बताया। कि उनके बिचारों एवं आदर्शो से हर व्यक्ति में एक नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार होता है। आजादी का 75 वॉ अमृत महोत्सव एवं मद्य निषेध सप्ताह अंतर्गत छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान किया एवं अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएँ संपन्न की जायेगी।

गांधी जयंती के अवसर पर शासकीय गृह विज्ञान कॉलेज में आयोजित हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

आईना विचारों का

होशंगाबाद। शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को महात्मा गांधी जी की 152 वी जयंती पर महाविद्यालय में महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर प्राचार्य डॉ कामिनी जैन एवं विधायक प्रतिनिधि श्रीमती संध्या थापक द्वारा माल्यार्पण किया गया। एनएसएस एनसीसी की छात्राओं एवं संगीत विभाग के प्रेमकांत कटंगकार, रामसेवक शर्मा ने महात्मा गांधी जी के भजन वैष्णव जन तो तेने कहिए एवं रघुपति राघव राजा राम का गायन किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ कामिनी जैन के द्वारा महात्मा गांधी के जीवन दर्शन और उनके सकारात्मक विचारों से छात्राओं को अवगत कराया एवं उनके द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष पूर्ण कार्यों को बताया कि उनके विचारों एवं आदर्शों से हर व्यक्ति में एक नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार होता है। आजादी का 75 वॉ अमृत महोत्सव एवं मद्य निषेध सप्ताह अंतर्गत छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान किया एवं अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएँ संपन्न की जायेगी। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने एवं डॉ. रीना मालवीय तथा एनसीसी अधिकारी डॉ. संगीता द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ किरण पगारे, डॉ. वर्षा चौधरी, डॉ भारती दुबे, डॉ. पुष्पा दुबे, डॉ. संध्या राय, डॉ कीर्ति दीक्षित, रफीक अली डॉ. हेमा केन, श्रीमती किरण विश्वकर्मा, अजय तिवारी, डॉ. दशरथ मीना, श्रीमती शीतल गेहरा, मनोज सिसोदिया, डॉ मनीष चंद्र चौधरी, आशीष सोहगोरा, धीरज सातरकर बड़ी संख्या में कार्यालयीन स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का संचालन एन. एस.एस अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने एवं डॉ. रीना मालवीय तथा एन.सी. सी. अधिकारी डॉ. संगीता द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. किरण पगारे, डॉ. वर्षा चौधरी, डॉ. भारती दुबे, डॉ. पुष्पा दुबे, डॉ. संध्या राय, डॉ. कीर्ति दीक्षित, श्री रफीक अली, डॉ. हेमा केन, श्रीमती किरण विश्वकर्मा, श्री अजय तिवारी, डॉ. दशरथ मीना, श्रीमती शीतल मेंहरा, श्री मनोज सिसोदिया, डॉ. मनीष चंद्र चौधरी, श्री आशीष सौहगोरा, श्री धीरज खातरकर बड़ी संख्या में कार्यालयीन स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना प्रकोष्ठ शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना प्रकोष्ठ के अंतर्गत महाविद्यालय में शिक्षक अभिभावक योजना के तहत स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के अभिभावक एवं विद्यार्थियों के लिए योग एवं स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए व्याख्यान से लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ हर्षा चचाने ने विद्यार्थियों को कहा कि योग को अपने व्यवहार में सम्मिलित करें।

आज की विषय विशेषज्ञ डॉ. ज्योति जुनगरे, शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय जबलपुर ने योग एवं स्वास्थ्य विषय पर अपने व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को बताया कि योग एवं स्वास्थ्य एक दूसरे से संबंधित है। योग के माध्यम से दुखों को समाप्त किया जा सकता है योग एक प्रक्रिया है विस्तार अन है योग द्वारा शरीर को मनसे मन को आत्मा से और आत्मा को बृम्हांड से मिलाने की प्रक्रिया का विस्तारण है। योग और ध्यान सभी को करना आवश्यक है योगिक क्रियाएं औषधि का कार्य करती है शारीरिक विकास में सहायक है। उन्होने आसन के प्रकार भी बताएं योग द्वारा शारीरिक विकास, मानसिक विकास, नैतिक विकास, संवेगात्मक विकास एवं आध्यात्मिक विकास के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन कुमारी सौम्या चौहान और आभार डॉ नीतू पवार द्वारा किया गया कार्यक्रम में समिति के सदस्य डॉ. श्रृद्धा गुप्ता एवं कुमारी श्वेता वर्मा, शिक्षक अभिभावक प्राध्यापक गण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहे।

बोध वाक्य डॉ यशवंत निंगवाल के द्वारा बताया गया कि असफलता सिर्फ इतना बताती है कि कार्य पूर्ण मन लगाकर नहीं किया गया जिसके लिए आवश्यक है कि हम सफलता प्राप्त करने के लिए चिंतन और मनन अवश्य करें तो निश्चित ही सफलता प्राप्त होगी।

गोद ग्राम डोंगरवाडा में नशा मुक्ति जागरूकता रैली एवं स्वच्छता अभियान आज दिनांक 04.10.21 को शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में महात्मा गांधी जी की 152 वीं जयंती पर मद्य निषेध सप्ताह के अंतर्गत गोद ग्राम डोंगरवाडा में नशा मुक्ति जागरूकता रैली एवं स्वच्छता अभियान वह पंपलेट वितरण का कार्यक्रम आयोजन

किया गया। प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के निर्देशन एवं गोद ग्राम समिति के प्रभारी एवं सदस्य डॉ. कंचन ठाकुर, डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. रीना मालवीय डॉ. संगीता पारे, डॉ. नीतू पवांर एवं श्री रफीक अली ने ग्राम डोंगरवाड़ा की प्राथमिक स्कूल में जाकर बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता का संदेश देते हुए छात्राओं द्वारा उनके नाखून काटे गए तथा बच्चों को शैंपू तेल व साबुन का वितरण भी किया गया तथा उन को समझाइश दी गई कि नहाना चाहिए, ब्रश करना चाहिए और स्वच्छ कपड़े पहनना चाहिए क्योंकि स्वच्छ शरीर में स्वच्छ मस्तिष्क का वास होता है, इसलिए अपने दैनिक दिनचर्या में स्वच्छता को शामिल किया जाना चाहिए जिससे स्वच्छता आपकी आदत बन जाये छात्राओं ने ग्राम में स्वच्छता अभियान

के तहत गांव में साफ सफाई की एवं पॉलीथिन मुक्त गांव बनाने की पहल की एवं रैली के माध्यम से नशा मुक्ति के नारे ''नशे में रहोगे चूर तो परिवार से रहोगे दूर'' ''नशा पत्ता तोड़ दो, टूटे रिश्ते सब जोड़ दो'' जैसे नारों का स्कूल एवं पंचायत की दीवारों पर लेखन कार्य किया गया एवं ग्रामावासियों को जागरूक किया गया।

मद्य निषेध सप्ताह के अंतर्गत ग्राम डोंगरवाडा में

नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन स्वच्छता अभियान व पंपलेट का वितरण

शासकीय प्राथमिक शाला डोंगरवाडा की प्राचार्य द्वारा शाला की आवश्यकताओं जिसमें बिजली के लिए सोलर पेनल, बिजली फिटिंग, पंखे, बच्चों को बैठने के लिए डेस्क व बैंच एवं शाला भवन की मरम्मत, पानी की व्यवस्था के लिए पाइप लाईन, कन्या शौचालय आवश्यकताओं को जनपद पंचायत सी.ई.ओ. श्री मनोज सरयाम के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

गांधीजी की 152 वीं जयंती पर प्रदर्शनी एवं किताब का विमोचन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद के द्वारा गांधीजी की 152 वीं जयंती के परिप्रेक्ष्य में मद्य निषेध सप्ताह के अंतर्गत गांधीजी के छायाचित्र और डाक टिकट की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी के प्राचार्य डॉ. रामस्वरूप मेहरा द्वारा प्रदर्शनी का उद्घाटन फीता काटकर किया गया। तदुपरांत प्रदर्शनी का विहंगावलोकन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. जैन ने बताया कि इतिहास विभाग द्वारा लगातार 4 वर्षों से गांधी जी को लेकर विभिन्न तरह के कार्य किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि गांधी का व्यक्तित्व एक समग्र सोच का विचार है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में गांधी के रचनात्मक कार्यों को अपनाना चाहिए इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हम लगभग 100 चुनी हुई छात्राओं को इतिहास विभाग के साथ साबरमती आश्रम अहमदाबाद सेवाग्राम आश्रम वर्धा और दिल्ली गांधी स्मारक का भ्रमण कराएंगे उन्होंने इतिहास विभाग को इस कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय के गांधी अध्ययन केन्द्र में गांधी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित कार्यो को भविष्य की परियोजनाओं में सम्मिलित किया जायेगा और एक राष्ट्रीय स्तर का सेमीनार आयोजित किया जायेगा।

गांधीजी की 152 वी जयंती पर प्रदर्शनी एवं किताब का विमोचन

गांधी जी का व्यक्तित्व सभी के लिए प्रेरणा है : डॉ. कामिनी जैन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रामस्वरूप मेहरा ने बताया कि गाँधी का जीवन एक खुली किताब है। दुनिया में सत्य को जितनी सरल और सहजता से गाँधीजी ने अपनाया और कोई नहीं कर पाया। गाँधी कहते थे की न मैं कोई संत हूँ, न कोई विचारक और न ही कोई बड़ा आदमी लेकिन मैं जीवन की सचाइयों को उसी अनुरूप अपनाता हूँ जैसी वो है। उन्होंने अपनी आत्मकथा में माननीय व्यक्तित्व के प्रत्येक पक्ष को हुबहू रख दिया गांधी मन कर्म और वचन तीनों से बेहतर संतुलन का नाम है उन्होंने कहा कि गांधी कोई भी कार्य बिना तैयारी के नहीं करते थे और व्यापक परियोजना के साथ ही किसी कार्य में उतरते थे।

इस अवसर पर इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ रामबाबू मेहर द्वारा लिखित गांधी एक विश्वास किताब का विमोचन किया गया प्राचार्य डॉ. जैन, रामबाबू मेहर, डॉ. आर. बी. शाह एवं डॉ. सी. एस. राज द्वारा उक्त किताब पर विमर्श किया गया तथा लेखक की प्रशंसा की गई रामबाबू में पुस्तक पर कुछ अध्ययन का वाचन पर कुछ विचार रखे गांधी के संपूर्ण व्यक्तित्व के दर्शन और कार्यों को लेकर यह किताब निश्चित रूप से पाठकों के लिए रोचक होगी।

<u>राज्य स्तरीय वन्य जीव संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत मेहंदी प्रतियोगिता</u> शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 6 अक्टूबर 2021 को राज्य स्तरीय वन्य जीव संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्राओं द्वारा वन्यजीवों की कृति को लेकर मेहंदी की डिजाइन बनाई गई। इस कार्यक्रम में लगभग 20 छात्राओं ने सहभागिता की। इको क्लब प्रभारी डॉ दीपक अहिरवार में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह सप्ताह मनाने का उद्देश्य छात्राओं को वन्य जीव के प्रति जागरूक करना है।

मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अमीषा अहिरवार, द्वितीय स्थान पर कुमारी अंशिका गुप्ता एवं तृतीय स्थान पर कुमारी पूजा गोस्वामी रही।

प्रतियोगिता में विजेता छात्राओं को शुभकामना देते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य वन्य प्राणियों के प्रति आपकी सहृदयता एवं जानकारी को विस्तृत करना है। वन्य प्राणी भी प्रकृति में महत्वपूर्ण स्तंभ का कार्य करते हैं। प्राचीन परंपरा में वन प्राणी मानव जाति के सहोदर थे ,परंतु कालांतर में वन्य प्राणी का शिकार होने के कारण वर्तमान में उनके संरक्षण की आवश्यकता है। अतः यह अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है जो हमें वन्य प्राणी के प्रति जागरुक एवं सजग करती है।

चित्रकला,पौधारोपण एवं वन्यजीव संरक्षण विषय पर वेबिनार

होशंगाबाद (आरएनएन)। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में सोमवार को वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह 2021 के अन्तर्गत ईको क्लब द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता, वृक्षारोपण विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में छात्राओं द्वारा वन्यजीव एवं वन्यजीवन को संरक्षित एवं संवर्धित कैसे किया जाए, इसकी विधियों को कागज पर उकेरा। चित्रकला में पलक जैन को प्रथम, श्रेया यादव को द्वितीय एवं रिया मालवीय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके साथ ही ईको क्लब की छात्राओं द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में फलदार एवं पोषण युक्त पौधों का रोपण भी किया गया। महाविद्यालय में प्राणीशास्त्र विभाग एवं ईको क्लब के माध्यम से ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन भी किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता डॉ दीपक अहिरवार ने पावर पॉइन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से वन्यजीवों के शिकार, जंगलों की कटाई एवं खाद्य श्रृंखला के टूटने के दुष्प्रभाव को बताया। विशेषकर जन्तुओं के औषधीय गुणों जैसे कोबरा सर्प के वीनोम से कोढ़ का उपचार और पर्यटन, सामाजिक, कृषि के क्षेत्र में एवं आस्था से जुड़े महत्व को समझाया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं को पर्यावरण से जुड़ने की बात कहते हुए छात्राओं को बताया कि यदि हमें आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ जीवन देना है तो अभी से प्रयास करने होंगे एवं बताया कि जितना संभव हो पौधे लगाएँ एवं वन्यप्राणियों को नुकसान न पहुँचाएँ। कार्यक्रम में डॉ हर्षा चचाने, डॉ रागिनी सिकरवार, डॉ अखिलेश यादव, डॉ पूजा धापक, डॉ श्रद्धा गुप्ता, आशीष सोहगौरा, धीरज खातरकर एवं अनेक छात्राएँ शामिल रहीं।

प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. हर्षा चचाने प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने वाली छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि आप सतत प्रयासरत रहें। डॉ. कीर्ति दीक्षित, श्री धीरज खातरकर ने प्रतियोगिता में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया। राज्य स्तरीय वन्य जीव संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत मेहंदी प्रतियोगिता में डॉ विजया देवासकर, श्रीमती नीलम चौधरी, डॉ. नीतू पवार निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत कार्यक्रम में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत क्लीन इंडिया कार्यक्रम शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी एवं नेहरू युवा केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम किया गया साथ ही गांधी चौक तक लगभग 35 किलो प्लास्टिक कचरे का संग्रहण करके उसका निस्तारण किया गया। जिसमें सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करने के लिए सब्जी विक्रेता एवं दुकानदारों को समझाइश दी गई इसके स्थान पर कपड़े की थैली का उपयोग करने के लिए कहा गया।

इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र के जिला समन्वयक श्री नीरज तिवारी छात्राओं को बैडमिंटन एवं फुटबॉल भेंट की इस कार्यक्रम में प्रियांशी पटवा, अर्पिता तिवारी, अंकिता एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ हर्षा चचाने, डॉ. रीना मालवीय, डॉ. नीतू पवार स्वयंसेविका शांभवी, पूजा, डॉली, कोमल, वंदना, नीतू यादव, पायल ने अपनी सक्रिय सहभागिता दी।

एनसीसी कैडेड्स ने निकाली नशामुक्ति के लिए जनजागृति रैली

नर्मदापुरम। महात्मा गांधी जी की 152 वी जयंती पर मद्य निषेध सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार 4 अक्टूबर को एनसीसी कैडेट्स ने नशामुक्ति के लिए जनजागृति रैली निकाली। रैली से पूर्व प्राचार्य कुसुम महाविद्यालय डॉ. आरके रघुवंशी ने एनसीसी कैडेट्स को ना मैं नशा करूँगा और ना ही किसी को करने दूँगा आशय की शपथ दिलाई। जनजागृति रैली में लगभग 140 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। रैली शासकीय कुसुम महाविद्यालय से प्रारंभ होकर बालापुरा बसस्टेंड, पाठक कॉलोनी होती हुए वापिस महाविद्यालय प्रांगण में आकर समाप्त हुई। जनजागृति रैली का आयोजन एनसीसी अधिकारी डॉ.सुनील सोनी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम मे कार्यक्रम संयोजक डॉ.एसके अग्रवाल, स्पोर्टस अधिकारी डॉ.अनुराग पथक, प्राध्यापकगण एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

चित्रकला, वृक्षारोपण एवं वन्यजीव संरक्षण विषय पर बेविनार का आयोजन आज दिनांक 11.10.2021 को शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह– 2021 के अन्तर्गत ईको क्लब द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता, वृक्षारोपण एवं बेविनार का आयोजन किया गया। **चित्रकला** प्रतियोगिता में छात्राओं द्वारा वन्यजीव एवं वन्यजीवन को संरक्षित एवं सवंर्धित कैसे किया की विधियों को कागज पर उकेरा। चित्रकला में पलक जैन को प्रथम, श्रेया यादव को द्वितीय एवं रिया मालवीय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके साथ ही ईको क्लब की छात्राओं द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में फलदार एवं पोषण युक्त पौधों का रोपण भी किया गया। महाविद्यालय में प्राणीशास्त्र

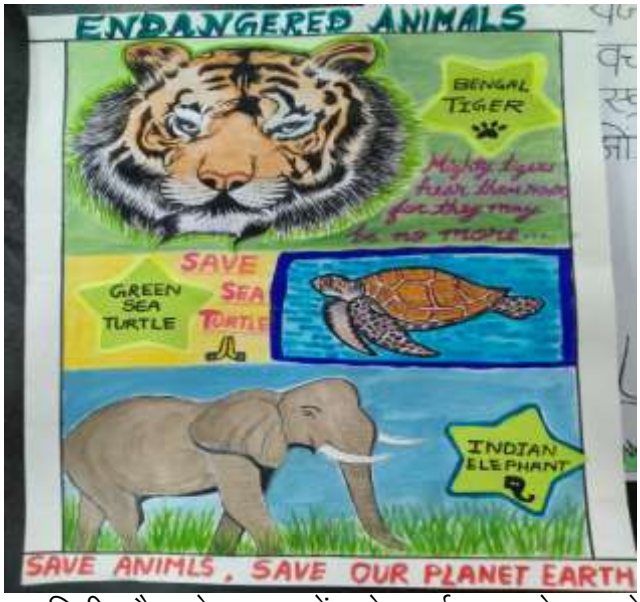

विभाग एवं ईको क्लब के माध्यम से ऑनलाइन बेविनार का आयोजन भी किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता डॉ दीपक अहिरवार ने पावर पॉइन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से वन्यजीवों के शिकार, जंगलों की कटाई एवं खाद्य श्रृख्ला के टूटने के दुष्प्रभाव को बताया। विशेषकर **जन्तुओं के औषधीय** गुणों जैसे कोबरा सर्प के वीनोम से कोढ़ का उपचार पर्यटन, सामाजिक, कृषि के क्षैत्र से एवं आस्था से जुडे महत्व को समझाया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं को पर्यावरण से जुडने की बात कहते हुए छात्राओं को बताया कि यदि हमे आने वाली पीढी को स्वस्थ जीवन देना है तो अभी से प्रयास करने होंगे एवं बताया कि जितना संभव हो पौधे लगाएँ एवं वन्यप्राणियों को नुकसान न पहुचाएँ।

चित्रकला, पौधारोपण एवं वन्य जीवों के संरक्षण विषय पर हुआ वेबिनार

कार्यक्रम मे डॉ हर्षा चचार्न,. डॉ रागिनी सिकरवार, डॉ अखिलेश यादव, डॉ पूजा थापक, डॉ श्रृद्वा गुप्ता, आशीष सोहगोरा, धीरज खातरकर एवं अनेक छात्राएँ शामिल रहीं।

5 एमपी गर्ल्स बटालियन में छात्राओं का एन.सी.सी. में चयन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के निर्देशन एवं एनसीसी प्रभारी डॉ संगीता पारे,श्री शैलेंद्र तिवारी के मार्गदर्शन में 5 एमपी गर्ल्स बटालियन के निर्देशानुसार आज 12 अक्टूबर एन.सी.सी. की भर्ती मे प्रथम वर्ष की छात्राओं की चयन प्राक्रिया अयोजित की गई है। उनके व्यक्तित्व परीक्षण, शारीरिक परीक्षण एव लिखित परीक्षा में

लगभग 61 कैडेट्स ने भाग लिया यह चयन प्रकिया बटालियन के सूबेदार मेजर बी.आर. चंदेल, बी.एच.एम. देवकरण चौहान, हवलदार रंजीत डेका के द्वारा परीक्षा ली गई यह चयन प्रकिया में एनसीसी की सीनियर अंडर ऑफिसर वैष्णवी राजपूत, अंडर ऑफिसर रक्षा कलोसिया, सार्जेंट निधि राजपूत, सीपीएल मधु शर्मा, सीपीएल रितिका गौर, एल.सी.पी.एल. पायल यादव, एल.सी.पी.एल शिवानी प्रजापति ने सहयोग प्रदान किया।

प्रथम वर्ष की छात्राओं ने एनसीसी भर्ती प्रक्रिया में लिया भाग

आई नेक्स्ट विचारों का

होशंगाबाद। शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में प्रथम वर्ष की छात्राओं ने एनसीसी भर्ती में भाग लिया। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि इस अवसर पर एनसीसी प्रभारी डॉ.संगीता पारे, शैलेन्द्र तिवारी उपस्थित रहे। एनसीसी भर्ती में लगभग 61 कैडेट्स ने भाग लिया। कैडेट्स का व्यक्तित्व परीक्षण, शारीरिक परीक्षण एवं लिखित परीक्षा ली गई। चयन प्रक्रिया बटालियन के सूबेदार मेजर बीआर चंदेल, बीएचएम देवकरण, चौहान, हवलदार रंजीत डेका द्वारा परीक्षा ली गई। चयन प्रक्रिया में एनसीसी की सीनियर अंडर ऑफिसर वैष्णवी राजपूत, अंडर ऑफिसर रक्षा कलोसिया, सार्जेंट निधि राजपूत, सीपीएल मधु शर्मा, रितिका गौर, एलसीपीएल पायल यादव, शिवानी प्रजापति ने सहयोग प्रदान किया।

कोरोना वैक्सीन अभियान होशंगाबाद जिले में कोरोना वैक्सीन अभियान के अंतर्गत शनिवार दिनांक 23 अक्टूबर 2021 को शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ (श्रीमती) कामिनी जैन के मार्गदर्शन में कोरोना वैक्सीनेशन का आयोजन किया गया। वैक्सीनेशन के दौरान महाविद्यालय के स्टाफ, छात्राएं एवं अन्य शहरी व्यक्ति कोरोना वैक्सीनेशन में शामिल हुए। जिसमे विधायक महोदय माननीय डॉ. सीतासरन शर्मा जी एवं भाजपा नेता श्री पीयूष शर्मा जी, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री फरहीन खान, तहसीलदार सुश्री निधि चौकसे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ नलिनी गौड़, सेक्टर प्रभारी श्री शीवेश मिहानी एवं वैक्सीनेशन टीम सोनिया जाटव, रीना धुर्वे, विनीता पाल का विशेष सहयोग भी प्राप्त हुआ। प्राचार्य डॉ (श्रीमती) कामिनी जैन ने बताया कि महाविद्यालय के सम्पूर्ण स्टाफ का वैक्सीनेशन हो चुका है तथा जिन छात्राओं को सेकंड डोज लगना था उन्होंने आज वैक्सीन लगवाया। नव प्रवेशित छात्राओं ने भी आज प्रथम डोज लगवाया। वैक्सीनेशन के दौरान डॉ. रागिनी सिकरवार, डॉ मनीष चंद्र चौधरी, श्री आशीष सोहगौरा, श्री देवेन्द्र सैनी, उपस्थित रहे।

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कोरोना वैक्सीनेशन का किया आयोजन, छात्राएं, स्टॉफ सहित अन्य ने लगवाया टीका

अनंत कीर्ति होशंगाबाद। जिले में कोरोना वैक्सीन महा अभियान के अंतर्गत शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कोरोना वैक्सीनेशन का आयोजन किया गया। वैक्सीनेशन के दौरान महाविद्यालय के स्टाफ, छात्राएं एवं अन्य शहरी व्यक्ति कोरोना वैक्सीनेशन में शामिल हुए। उक्त कोविड टीकाकरण वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

जिले विधायक डॉ सीतासरन शर्मा एवं भाजपा नेता पीयूष शर्मा का विशिष्ट सहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही अनुविभागीय अधिकारी सुश्री फरहीन खान, तहसीलदार सुश्री निधि चौकसे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ नलिनी गौड़ एवं नोडल अधिकारी डॉ अतुल दुबे का सहयोग भी प्राप्त हुआ।

उपरोक्त वैक्सीनेशन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कामिनी जैन मैडम के मार्गदर्शन में किया गया, प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय के सम्पूर्ण स्टाफ का वैक्सीनेशन हो चुका है तथा लगभग 80 प्रतिशत छात्राओं को वैक्सीन की प्रथम डोज लग चुकी है। नये प्रवेशित छात्राओं को भी वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वैक्सीनेशन के दौरान वनस्पति शास्त्र विभाग कि विभाग अध्यक्ष डॉ रागिनी सिकरवार, डॉ हर्षा चचाने, डॉ मनीष चंद्र चौधरी, डॉ अखिलेश यादव, आशीष सोहगौरा, डॉ संगीता पारे, शैलेन्द्र तिवारी, सुश्री सौम्या चौहान, डॉ रीना मालवीय, डॉ प्रीति ठाकुर, देवेंद्र सैनी, मनोज सिसोदिया आदि उपस्थित रहे। वैक्सीनेशन टीम में मीना पटेल,दीपिका तोमर, ईशा, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस कार्य में महाविद्यालय की एन सी सी छात्रायें सुश्री वैष्णवी राजपूत, निधि राजपूत, मधु शर्मा, रक्षा कलोसिया, शालु सिंह ने भी विशेष सहयोग प्रदान किया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में दिनांक 23/10/2021 दिन शनिवार को डॉ. श्रीमती कामनी जैन के मार्गदर्शन में समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग की 30 छात्राओं को कोविड–19 का पालन करते हुए प्राध्यापकों द्वारा भोपाल स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु उपयोगी सिद्ध होते है एवं स्थल पर जाकर प्रत्यक्ष जानकारी विद्यार्थियों के लिए लाभदायी होती है। छात्राओं ने आदिमानव की प्रारंभिक अवस्था से उनका क्रमिक विकास पाषाण युग सभ्यता से लेकर ताम्र युग तक भारत में पाई जाने वाली विभिन्न जनजाति सभ्यता एवं संस्कृति जिसमें उनका परिवेश गणवेश विवाह परंपरा एवं दैनिक उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुएं तथा कर्मकांड से संबंधित रीति–रिवाज, विभिन्न कलाकृतियां तथा मनोरंजन के लिए संगीत एवं नृत्य में उपयोगी वाद यंत्र एवं वेशभूषा को देखने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ। विभिन्न कलाकृतियों तथा मनोरंजन के लिए संगीत एवं नृत्य उपयोग में लाई जाने वाली वाद्य यंत्र के बारे में जानने एवं समझने का अवसर प्राप्त हुआ। छात्राओं को भविष्य में भारतीय समाज को करीब से समझने एवं पाठ्यक्रम को समझने के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ कंचन ठाकुर ने छात्राओं को बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से हम कैसे शोध कार्य कर सकते हैं। महाविद्यालय राजनीति विज्ञान की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. हर्षा चचाने एवं समाज कार्य विभाग की डॉ. नीतू पवार एवं समाजशास्त्र विभाग के रफीक अली शैक्षणिक भ्रमण में सम्मिलित रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव शासकीय गृह विज्ञान में स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 27.10.21 को आजादी के अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में 01 से 31 अक्टूबर तक स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत प्राचार्य डॉ कामिनी जैन के मार्गदर्शन एवं डॉ हर्षा एडॉ रीना मालवीय कार्यक्रम अधिकारी के निर्देशन में परमहंस घाट सर्किट हाउस होशंगाबाद में छात्राओं ने सिंगल यूज प्लास्टिक का एकत्रीकरण एवं लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया एवं घाट से कचरा एकत्रित कर उसका निस्तारण किया गया तथा पॉलिथीन से होने वाली हानियों के बारे में भी लोगों को जागरूक कर कपड़े की थैली का वितरण किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन द्वारा महाविद्यालय के स्टॉफ एवं छात्राओं को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. जैन में बताया कि राष्ट्रीय एकता का अर्थ राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना जिसमें जाति, धर्म, भाषा, संप्रदाय, संस्कृति के अंतर को भूलकर हम सभी अपने आप का एक समझे, राष्ट्रीय एकता ही राष्ट्र को एक सूत्र में बांधे रखती है।

एन.एस.एस. अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने एवं डॉ. रीना मालवीय द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस पर बताया कि भारत के लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान एवं उपलब्धियों को हमेशा याद रखा जायेगा क्योकि उन्होने 600 से अधिक देशी रियासतों को भारतीय संघ में एकीकृत करने में अहम भूमिका निभाई थी।

इस अवसर पर महाविद्यालयीन छात्राओं ने जिला प्रशासन द्वारा आयोजित मोटरसाइकिल एवं साइकिल रैली का आयोजन मैं अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। रैली को कलेक्टर महोदय नीरज कुमार सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर सीईओ श्री मनोज सरयाम एवं अन्य अधिकारी तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ हर्षा चचाने, योगाचार्य श्रीमती किरण विश्वकर्मा, पूजा गोस्वामी, शांभवी, वंदना तिवारी ,रिया, आकांक्षा एवं अन्य छात्रा उपस्थिति थी।

अमृत महोत्सव के अंतर्गत न्यू इंडिया @75 मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के परिपालन में अमृत महोत्सव के अंतर्गत न्यू इंडिया @75 जनभागीदारी जन आंदोलन कार्यक्रम के परिपेक्ष में हमारा समाज हमारी जिम्मेदारी अभियान के तहत संचालित किया जाना है यह कार्यक्रम दिनॉक 1 नबम्बर 2021 से 15 अगस्त 2022 स्वतंत्रता दिवस तक होना तय है। इसी तत्वाधान में म.प्र. स्थापना दिवस कार्यक्रम शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती पूजन एवं कन्या पूजन के साथ किया गया इस अवसर पर संगीत विभाग की छात्रा सिद्धा साईं ने सरस्वती गीत प्रस्तुत किया।

अतिथि देवो भावा भाव द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अशोक सोनी ओपी शर्मा एवं निर्णायक के रूप में उपस्थित महाविद्यालय की वाणिज्य विभाग की शिक्षक डॉ मनीषा तिवारी एवं डॉ विजया देवासकर ने सम्मानीय अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री ओपी शर्मा जी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए बताया कि मध्यप्रदेश में लोक कलाओं बहुत अधिक है जो हमारी सभ्यता और संस्कृ ति को दर्शाती है उन्होंने कन्या विवाह के बुंदेलखंडी लोकगीत का गायन किया सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्राओं द्वारा एकल गायन समूह गायन एकल नृत्य समूह नृत्य निबंध वादन कविता पाठ का वाचन किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने ने एवं श्रीमती प्रीति ठाकुर द्वारा किया गया एवं आभार डॉ नीतू पवार द्वारा दिया गया कार्यक्रम डॉ रीना मालवीय डॉ. कीर्ति दीक्षित, डॉ. अजय तिवारी, डॉ. दशरथ मीना, डॉ. पूजा थापक, डॉ. श्रद्धा गुप्ता, विमला कदम, किरण विश्वकर्मा, अंकिता तिवारी, श्वेता वर्मा, नीता सोलंकी, अंकिता श्रीवास्तव, सौम्या चौहान ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत समस्त स्नातकोत्तर पूर्वार्ध की छात्राओं के लिए व्याख्यान का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 13.11.2021 को स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत समस्त स्नातकोत्तर पूर्वार्ध की छात्राओं के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया । स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित व्याख्यान डॉ शिल्पा पांडे वैज्ञानिक–डी बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस लखनऊ ने दिया। इस कार्यक्रम में डॉ शिल्पा पांडे, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन विवेकानंद के प्रभारी डॉ संगीता अहिरवार, कार्यक्रम संयोजक डॉ आर वी शाह ने मंच पर अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की।

स्वागत उपरांत व्याख्यान का शुभारंभ किया गया। छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि व्याख्याताओं को छात्राओं के मध्य लाने का हमारा उद्देश्य है कि जो छात्राएं शोध के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहती हैं वह आज के व्याख्यान से लाभान्वित होंगी। विभिन्न विषयों में शोध की प्रबल संभावनाएं एवं सुरक्षित भविष्य है। डॉ शिल्पा द्वारा दी जाने वाली जानकारी जिसमें विभिन्न छात्रवृत्तियो, शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली सहयोग से विद्यार्थी अपना शोध कार्य पूर्ण कर सकते हैं। डॉ जैन ने बताया कि होशंगाबाद में अपना अध्ययन करने वाली हमारे शहर की बेटी ने लखनऊ जैसे रिसर्च इंस्टिट्यूट में अपना परचम लहराया है। ऐसे विद्यार्थी आप लोगों के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं ।

डॉ शिल्पा पांडे ने अपने शिक्षण एवं विकास यात्रा को साझा करते हुए बताया कि जब आप अपने सुरक्षित आवरण से कार्य करने के लिए बाहर निकलते हैं तो हमें प्रतीत होता है कि हम सतहहीन जमीन पर हैं ,परंतु आपकी कर्मठता ही आपकी उपलब्धियों का आधार होती है। हमेशा अपने आप को अपडेट करते रहे। डॉ शिल्पा ने शोध के विभिन्न क्षेत्रों, उनकी शाखाओं एवं विभिन्न उपलब्धियों की जानकारी छात्राओं से साझा की।डॉ पांडे ने अपने उद्बोधन में पीएचडी, नेट ,जेआरएफ, सीएसआइआर ,गेट परीक्षा संबंधी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्नत होने के लिए गुगलिंग करें, शिक्षकों से जानकारी प्राप्त करें, सर्च करें एवं साथियों से चर्चाएं करें। आपका उद्देश्य और योजनाएं स्पष्ट होना चाहिए। डॉ कोठारी, गोदरेज ,रिलायंस आदि बहुत सारे निजी संस्थान द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जो आपके उत्तम भविष्य की नींव हो सकती है। देश एवं विदेश की छात्रवृत्ति से किस प्रकार लाभान्वित हो इस हेतु छात्राओं का मार्गदर्शन किया। बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा शिवानी चंद्रवंशी ने अपने प्रश्नों के माध्यम से जिज्ञासा का समाधान प्राप्त किया ।

इस व्याख्यान का सफल संचालन करते हुए डॉ आर वी शाह ने कहा कि छात्राएं अपनी कमजोरी को छुपाए नहीं ,असफलता से निराश ना हो, सही रणनीति बनाएं एवं भविष्य में आगे बढ़े। व्याख्यान कार्यक्रम का आभार डॉ मनीष चंद्र चौधरी। इस कार्यक्रम में डॉ कंचन ठाकुर, डॉ पूजा थापक, श्री आशीष सहगौरा, श्रीमती आभा वाधवा, श्रीमती प्रीति ठाकुर, डॉ कीर्ति दीक्षित डॉ नीतू पवार ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया ।

अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान में स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 20 नवंबर 2021 को अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम एनएसएस ,समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता, कोलाज, हस्ताक्षर अभियान, डाक्यूमेंट्री फिल्म एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन, मुख्य अतिथि श्रीमती श्वेता चौबे किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य एवं डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. कंचन ठाकुर, डॉ. पुष्पा दुबे, डॉ. किरण पगारे ने अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की। प्रदर्शनी एवं कोलाज में लगभग 60 छात्राओं ने सहभागिता की। हस्ताक्षर अभियान के पश्चात व्याख्यान का आयोजन किया गया।

डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं का उद्बोधन करते हुए कहा कि तनाव रहित वातावरण व्यक्ति को पल्लवित एवं प्रेरित करता है। वृहद स्तर पर कोई परिवर्तन तभी संभव है जब हम उस की शुरुआत अपने आसपास से करते हैं। जब हम गैरेज, होटलों में काम करने वाले बहुत सारे बालको देखते हैं तो हमें उनके प्रति अपनी संवेदनाएं जोड़नी होगी तभी हम बाल श्रम पर नियंत्रण कर सकते हैं। युवाओं की सोच ,सहयोग, समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है। हमें जागरूक होना होगा बाल अधिकार के प्रति एवं लोगों को जागरूक भी करना होगा ।

श्रीमती श्वेता चौबे किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चों को सदैव सजग, सतर्क होना चाहिए। सरकार द्वारा बच्चों को 86 अधिकार दिए गए हैं जिनमें से जीवन जीने का अधिकार, सुरक्षा एवं संरक्षण का अधिकार, सहभागिता का अधिकार, विकास का अधिकार चार प्रमुख अधिकार प्रदत्त हैं ।श्रीमती चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि आप जरूरतमंद बच्चों को देखते हैं तो 1098 हेल्पलाइन सेंटर पर जानकारी दे सकते हैं। विभिन्न संस्थाओं की जानकारी छात्राओं से साझा की एवं बाल संरक्षण बोर्ड, किशोर संरक्षण बोर्ड से छात्राओं को अवगत कराया।

समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कंचन ठाकुर ने बताया कि समाजशास्त्र एवं समाज कार्य की छात्राओं द्वारा विगत वर्षों में बाल अधिकार एवं सुरक्षा के लिए जागरूकता रैली और कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। विभाग द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। श्री राजेश अहिरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप अपने व्यक्तित्व का विकास करें एवं सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहें।

عالمی یوم طفل حقوق پر کیا گیا تقریبات کا انعقاد

होम साइंस कालेज में अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस पर हुए कार्यक्रम

कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए श्री रफीक अली ने दो पंक्तियों के माध्यम से कहा हर रोज यह बच्चे जहां से जवाब मांगते हैं, मन ही मन में बच्चे अपने लिए खिलौने और किताब मानते हैं।आभार प्रदर्शन करते हुए डॉ. नीतू पवार ने सभी अतिथि, प्राचार्य महोदय एवं सम्मानित स्टाफ के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. रीना मालवीय, डॉ. कीर्ति दीक्षित ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम में डॉ. भारती दुबे, डॉ. संध्या राय, श्री प्रेमकांत कटंगकार, श्रीमती विमला कदम, कुमारी श्वेता वर्मा, श्रीमती शीतल मेहरा, श्री अनिल कौशल, श्री घनश्याम डेहरिया एवं भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 25 नवंबर 2021 को "प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया इस सेमिनार का आयोजन स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के तत्वाधान मैं किया गया इस सेमिनार में मनकामेश्वरी क्लासेस होशंगाबाद द्वारा व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन एवं विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ योजना प्रभारी ने मंच पर अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की इस सेमिनार में श्री रवि प्रताप सर सीईओ मनकामेश्वरी क्लासेस श्री मोहनीश गोहे श्री ऐश्वर्य बाजपेई श्री शुभम पुरोहित श्री रोहित कुमार यादव श्री संदीप त्रिवेदी सुश्री कृति देवासकर ने अपने व्याख्यान के माध्यम से छात्राओं का उद्बोधन किया।

कार्यक्रम में मां सरस्वती की पूजन माल्यार्पण एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया सेमिनार में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं का उद्बोधन करते हुए कहा कि हमारा कठोर श्रम ही हमें कठिन से कठिन परीक्षा में सफलता दिलाता है स्वामी विवेकानंद ने कहा हैं कि उठो जागो और तब तक नहीं रुको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए हमें आत्मविश्वास के साथ सही दिशा में प्रयास करना होगा तभी हम प्रशासनिक सेवाओं में सफलता प्राप्त कर सकते हैं महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राएं जो ग्रामीण परिवेश से हैं उनके पास सूचनाओं का अभाव रहता है मनकामेश्वरी संस्था से आई हुई टीम प्रशासनिक सेवाओं के पद एवं उन पदों पर चयन प्रक्रिया की जानकारी छात्राओं से साझा करेंगी जिससे छात्राएं लाभान्वित होंगी बहुत सारे विद्यार्थी अपनी कमजोर अंग्रेजी के कारण इन परीक्षाओं का लाभ नहीं ले पाते।

इस सेमिनार में विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ योजना प्रभारी डॉ संगीता अहिरवार ने कहा कि हमें प्रशासनिक सेवाओं में चयन के लिए सतत प्रयास करना होगा महाविद्यालय के युवा केंद्र में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए किताबें उपलब्ध है छात्राएं लाभान्वित हो सकती हैं

सुश्री कृति देवासकर ने अपने उद्‌बोधन में प्रशासनिक सेवा की जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रशासनिक सेवाएं किस स्तर पर होती हैं ऐश्वर्य जी बाजपेई ने अपने उद्‌बोधन में संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रदेश लोक सेवा आयोग से संबंधित विस्तृत जानकारी छात्राओं से साझा की प्रशासनिक सेवा में आप संतुष्टि एवं समाज सेवा साथ–साथ कर सकते हैं ।

श्री मोहनीश गोहे ने बताया कि प्रशासनिक तैयारी हमें किस प्रकार करना है प्रशासनिक सेवा में हमें अवसर मिलता है कि हम बहुत सारे लोगों की मदद कर सकते हैं श्री संदीप त्रिवेदी ने बताया कि परीक्षा की तैयारी के लिए पाठ्यक्रम का अध्ययन करें पिछले वर्षों के पेपर का अध्ययन करें और जुट जाएं सफल होने के लिए श्री शुभम पुरोहित ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

भोपाल, शुक्रवार 26 नवम्बर 2021
होशंगाबाद, सिवनी मालवा, पिपरिया, बनखेड़ी, तवना, खातेगांव, नागदा, मंडीदीप- ज्योति 04

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में परीक्षाओं की तैयारी, एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया

श्री रोहित यादव ने बताया कि प्रशासनिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या कब कैसे पढ़ना है और कितना पढ़ना है जब हम इन पहलुओं को ध्यान रखकर तैयारी शुरू करते हैं तो सफलता निश्चित प्राप्त होगी श्री रवि प्रताप सर सीईओ ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि अच्छी शिक्षा और समय दोनों का ही अभाव है। समयबध्द तैयारी सफलता की कुंजी है जब तक आप स्वयं दृढ़ संकल्पित नहीं होते हैं तब तक आप कोई भी परीक्षा नहीं निकाल सकते हैं।

इस सेमिनार में डॉ. श्रुति गोखले, डॉ. रामबाबू मेहर, डॉ. निशा रिछारिया, श्रीमती आभा वाधवा, डॉ. कीर्ति दीक्षित, डॉ. रीना मालवीय, डॉ. दशरथ मीणा , नीलम चौधरी, श्वेता वर्मा,श्रीमती अंकित तिवारी, दीपिका राजपूत, चारु तिवारी, सौम्या चौहान, श्रीमती प्रीति ठाकुर, डॉ. मनीषा तिवारी, डॉ. विजया देवासकर, श्री देवेंद्र सैनी, श्री शुभम बद्रे, आकांक्षा नगाईच एवं भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के निर्देशन एवं एनसीसी प्रभारी डॉ संगीता पारे एवं श्री शैलेंद्र तिवारी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से किया गया मुख्य अतिथि के रूप में 5एम.पी. गर्ल्स बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर संजय कुमार शर्मा रहे इस अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधे भेंट करके किया गया इस अवसर पर एनसीसी कैडेट को को शपथ दिलाई गई। जिसमें कहा गया कि हम एनसीसी कैडेट यह प्रतिज्ञा करते हैं कि हम देश सेवा के साथ साथ समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में सहायता करेंगे और स्वच्छ भारत बनाने में हम अपना योगदान देंगे इस अवसर पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई एवं मिनी मैराथन का आयोजन किया गया।

प्राचार्य द्वारा अपने उद्‌बोधन में कैडेट को एनसीसी कार्यकाल में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए शुभकामनाएं एवं नए कैडेट को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा कैडेट कोर एनसीसी के माध्यम से पुलिस विभाग एवं एवं सेना में उच्च पदों पर एनसीसी कैडेट्स कैसे मुकाम हासिल कर सकते हैं इसकी जानकारी प्रदान की। श्री शैलेंद्र तिवारी ने एनसीसी के सी एग्जाम पास करने के पश्चात होने वाले लाभों से अवगत करवाया।

एनसीसी अधिकारी डॉ संगीता पारे द्वारा वर्तमान एवं गत वर्ष की उपलब्धियों एवं गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया उनके द्वारा बताया गया कि हमारे महाविद्यालय की कैडेट अंडर ऑफिसर आस्था चौरे का प्री आरडीसी में चयन हुआ है एवं वर्तमान में आस्था चौरे आरडीसी की चयन प्रक्रिया मैं शिविर में प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित है इस वर्ष 4 कैडेट्स वैष्णवी राजपूत निधि राजपूत रक्षा कलोशीया शिवा दायमा का ऑल इंडिया कंचनजंगा सिक्किम ट्रैकिंग कैंप में भाग लिया एवं मधु शर्मा का रोप ट्रैकिंग कैंप मैं चयन हुआ।

एनसीसी के सी सर्टिफिकेट के माध्यम से गत वर्ष मोहिनी यादव का मध्य प्रदेश रेलवे पुलिस में चयन हुआ। महाविद्यालय मैं गत 2 वर्षो मैं एनसीसी के बी व सी एग्जाम का परिणाम शत प्रतिशत रहा एवं सत्र 19–20 में महाविद्यालय की क्रेडिट दीपिका पटेल ने सी सर्टिफिकेट एग्जाम में 5एम.पी गर्ल्स बटालियन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सत्र 2020–21 में मोनिका बामने ने मैं 5 एम.पी. गर्ल्स बटालियन में चतुर्थ और महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एनसीसी दिवस पर बटालियन द्वारा निर्देशित गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कैडेट को प्रमाण पत्र और मैडम द्वारा सम्मानित कर उनका उत्साह वर्धन किया गया क्रेडिट द्वारा देश भक्ति नृत्य एवं गीत की प्रस्तुति दी गई एनसीसी दिवस की थीम शौर्य और साहस को समझाते हुए प्रथम वर्ष के कैडेट्स द्वारा एक नाटक के माध्यम से सेना के जवानों के बलिदानों और उनके अदम्य साहस को प्रदर्शित करने के साथ साथ एनसीसी कैडेट का देश में योगदान का संदेश दिया।

होमसाइंस कॉलेज में मना NCC दिवस

देशभक्ति नृत्य की प्रस्तुति प्रस्तुति वर्तिका बंजरिया मीनाक्षी एवं दीप्ति के द्वारा दी गई एनसीसी के विषय में जानकारी कैडेट साक्षी राजपूत द्वारा दी गई कैडेट पूजा मौर्य द्वारा गीत प्रस्तुत किया है नाटक में प्राची मांडरे, जागृति शर्मा, ईशा शर्मा, अंजली व्यास, स्वाति अहिरवार, भारती अहिरवार, पूजा अहिरवार, वंदना कीर, रजनी वर्मा, कुंती यादव, साक्षी गोस्वामी, सोना सैनी, निहारिका चौधरी, निहारिका दुबे, मनीषा, शिवानी सिसोदिया, दीप्ति कुशवाहा, नेहा कुशवाहा, सेजल, वर्षा मालवीय ने भाग लिया। मंच संचालन प्राची मांडरे एवं वर्तिका बंजोरिया ने किया। कार्यक्रम के समापन पर आभार डॉ. संगीता पारे द्वारा दिया गया। इस अवसर पर डॉ. श्रीकान्त दुबे, डॉ. अरूण सिकरवार, डॉ. श्रुति गोखले, डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. रामबाबू मेहर, डॉ. रागिनी सिकरवार, श्रीमती आभा बाधवा, डॉ. निशा रिछारिया, डॉ. मनीष चन्द्र चौधरी, श्री अजय तिवारी, डॉ. दशरथ मीना, प्रीति ठाकुर, सौम्या चौहान, डॉ. विजया देवासकर, दीपिका राजपूत देवेन्द्र सैनी, शुभम भद्रे एवं समस्त प्राध्यापक गण एवं एनसीसी के सभी क्रेडिट उपस्थित रहे।

मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में दिनांक 30.11.2021 से मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण प्रक्रिया शुरू की जा रही है। मशरूम उत्पादन इकाई की व्यवस्था मैपकास्ट परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2015–16 में प्रारंभ की गई थी॥ गई थी तभी से मशरूम प्रशिक्षण प्रति वर्ष महाविद्यालय की छात्राओं, कर्मचारियों एवं जन समुदाय को दिया जाता है। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महाविद्यालय में मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण 02.12.2021 को समय 12:00 बजे से दिया जाना है। इच्छुक व्यक्ति उक्त प्रशिक्षण में शामिल हो सकते हैं।

मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण आज से

होशंगाबाद @ पत्रिका. होमसाइंस कॉलेज में मंगलवार से मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण प्रक्रिया शुरू की जा रही है। मशरूम उत्पादन इकाई की व्यवस्था मैपकास्ट परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2015-16 में प्रारंभ की गई थी गई थी तभी से मशरूम प्रशिक्षण प्रति वर्ष कॉलेज की छात्राओं, कर्मचारियों एवं जन समुदाय को दिया जाता है। कॉलेज में मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण 2 दिसंबर को समय 12 बजे से दिया जाना है।

मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण आज दिनॉक 02.12.2021 का आत्मनिर्भर भारत के तहत शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में निःशुल्क आएस्टर मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा चुका है। विगत सात वर्षो से यह प्रशिक्षण सतत् दिया जा रहा है। प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने बताया कि मशरूम प्रशिक्षण के लिए महाविद्यालय में स्थाई संरचना उपलब्ध है। इसमें प्रतिवर्ष मशरूम उत्पादन का कार्य किया जाता है हमारा अगला प्रयास मूल संवर्धन करना है जिससे मशरूम से खाने योग्य अन्य वस्तुऍ बनाई जा सके क्योंकि अभी भी जन साधारण में मशरूम को लेकर बहुत भ्रांतियां उपलब्ध है लोग उसे खाना पसंद नहीं करते हैं। मशरूम की खेती से पर्यावरण का कोई नुकसान नही होता। मशरूम उत्पादन के बाद बचा हुआ भूसा कार्बनिक खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है। भूमिहीन व्यक्तियो के लिये यह लाभदायी है । मशरूम उत्पादन स्वरोजगार के लिए बड़ा अवसर प्रदान करती है। महाविद्यालय में आगामी योजना मशरूम बीज का उत्पादन करना प्रस्तावित है जिसे महाविद्यालय में प्रयोगशाला तैयार किया जाएगा। इस हेतु महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टॉफ को प्रशिक्षित किया जावेगा।

मशरूम उत्पादन स्वरोजगार के लिए बड़ा अवसर प्रदान करती है: प्राचार्य डॉ. जैन

प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने बताया कि मशरूम पौष्टिक गुणों से युक्त हैं। मशरूम को सब्जी के रूप में बहुत पहले से खाया जाता था, परंतु इसकी पौष्टिकता के ज्ञान का पता अनुसंधान द्वारा चला है कि इसमें बहुमूल्य प्रोटीन,खनिज लवण तथा खाद्योज जैसे पोषक तत्व पाये जाते हैं । मशरूम से प्राप्त प्रोटीन की पाचन शक्ति 60–70 प्रतिशत तक होती है जो पोधों से प्राप्त प्रोटीन से कही अधिक है। मशरूम में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम, फास्फोरस,

लोहा, तांबा तथा पोटाश पाए जाते हैं। जो कि हड्डी बनने तथा आखों की रोशनी के लिए बहुत आवश्यक है। इसके अतिरिक्त मशरूम की कुछ प्रजातियॉ ऐसी भी हैं, जिनका उपयोग विभिन्न प्रकार की बिमारियों के उपचार के लिए किया जाता हैं।

मशरूम प्रशिक्षण श्रीमती प्रीति ठाकुर के निर्देशन में किया गया उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन की प्रक्रिया 3 दिन की होती है जिसमें भूसा गलाने से लेकर बैग भरने तक की प्रक्रिया शामिल होती है। डॉ. रश्मि श्रीवास्तव ने बताया कि छात्राओं को इस प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। मशरूम उत्पादन महाविद्यालय में छात्राओं को परियोजना कार्य के रूप में भी दिया जाता है।

महाविद्यालय में तैयार करवाएंगे मशरूम बीज : डॉ. जैन

नि:शुल्क कैसटर मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण

मशरूम उत्पादन मे बाहर से आये श्रीमती अंजली दीक्षित शारदा कालोनी होशंगाबाद, श्री सचिन सोनी, श्रीकुनाल सैनी, भोलाराम तावडिया, सतेन्द्र श्रोति, हिमांशु भलावी, प्रभात कुमार मॉझी कृषि विश्वविद्यालय पवारखेडा, ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय की रेड रिबन एवं रेडक्रास समिति एवं एन.एस.एस. के संयुक्त तत्वधान में विविध गतिविधियों का संचालन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन मार्गदर्शन में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय की रेड रिबन एवं रेडक्रास समिति एवं एन.एस.एस. के संयुक्त तत्वधान में विविध गतिविधियों का संचालन किया गया। प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा है कि आज युवा पीढ़ी को सतर्क रखने की आवश्यकता है। इसलिए उन्हें एड्स होने के कारणों को जाना एवं लोगों के बीच जागरूकता बनाना आपकी जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम की संयोजक एवं रेड रिबिन एवं रेड क्रॉस क्लब प्रभारी डॉ. कंचन ठाकुर ने बताया एड्स से संबंधित जानकारी देते हुए कहा है कि यह एक गंभीर समस्या है और इसके लिए युवाओं को आगे आना होगा जिससे हम अपने परिवारिक जीवन को सुखी बना सकते हैं उन्होंने बताया कि विश्व एड्स दिवस पर महाविद्यालय की छात्राओं नें एड्स दिवस की रोकथाम संबंधी नारे लिखकर पोस्टर बनाये, सेल्फी प्वाइंट जिससे एड्स से संबंधित जानकारी दी गई एवं सभी ने सेल्फी लेते हुए लोगों को जागरूक करने के लिए प्रतिज्ञा ली, मानव श्रंखला का प्रदर्शन किया गया एवं रैली के माध्यम से छात्राओं ने '' विश्व एड्स दिवस पर है यही नारा एड्स रहित हो देश हमारा विश्व हमारा'' आओ मिलकर विश्व एड्स दिवस मनाए लोगों के बीच इस विषय में जागरूकता लाएं इन्हीं नारों के साथ जागरूकता रैली निकाली गई जो महाविद्यालय से होती हुई जिला चिकित्सालय में पहुंची शासकीय जिला आयुष विंग होशंगाबाद के चिकित्सक डॉ ए.के. पुष्कर ने अपने व्याख्यान में एड्स का क्या है इसके फैलने एवं रोकथाम संबंधी विस्तृत विस्तृत जानकारी छात्राओं के बीच साझा की शासकीय होम्योपैथिक औषधालय के डॉ. अक्षय जैन ने द्वारा छात्राओं को एड्स पर प्रश्नोत्तरी द्वारा उनकी शंकाओं को दूर करने का प्रयास किया।

عالمی یوم ایڈز: گورنمنٹ ہوم سائنس پوسٹ
گریجویٹ کالج ہوشنگ آباد میں منعقد ہوا آگاہی پروگرام

इस अवसर पर कार्यक्रम में एनएसएस अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. श्रुति गोखले, डॉ रीना मालवीय, डॉ. नीतू पंवार समिति के सदस्य डॉ. रफीक अली डॉ. राजेश अहिरवार, रघुवीर सिंह राजपूत, शीतल मेहरा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 2 दिसंबर 21 को कंप्यूटर विभाग द्वारा विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में मुख्य अतिथि सुश्री इशिता सेठा, विशिष्ट अतिथि प्रतिभा बैंक की सदस्य डॉ. ज्योति सेठा, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन, मुख्य वक्ता डॉ. अरुण सिकरवार ,कंप्यूटर विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. वर्षा चौधरी ने अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की ।

मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात व्याख्यान का शुभारंभ किया गया। विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ निशा रिछारिया ने कहा कि कंप्यूटर मानव जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। कंप्यूटर से परिचित एवं अभयस्त होना अति आवश्यक है।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोविड के समय हम कंप्यूटर फ्रेंडली हुए हैं। वर्तमान समय में मानव जाति की विकास श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण अंग कंप्यूटर का ज्ञान है। कंप्यूटर में अपार संभावना है। आप जितना कंप्यूटर में रुचि लेंगे हर

बार कुछ नया सीखेंगे महाविद्यालय की कंप्यूटर लेब अत्यधिक आधुनिक सुविधाओं एवं उपकरणों से सुसज्जित है। छात्राएं कंप्यूटर में अपना ज्ञान बढा कर स्वर्णिम भविष्य की ओर अग्रसर हो रही है।महाविद्यालय की छात्राओं को विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना एवं ई–शक्ति के माध्यम से निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है।

मुख्य अतिथि सुश्री इशिता सेठा ने छात्राओं का उद्बोधन करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कंप्यूटर हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। कंप्यूटर शिक्षा आज के युग की मूलभूत आवश्यकता है।

मुख्य वक्ता डॉ अरुण सिकरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि बिन कंप्यूटर सब सून आज के दिन हमें दृढ़ संकल्पित होना चाहिए कि कम से कम 2 लोगों का कंप्यूटर साक्षर करें। कंप्यूटर हमारे लिए वर्तमान युग में एक सहायक के रूप में है। ऑनलाइन क्लासेज, ऑनलाइन परीक्षा ,ऑनलाइन जॉब ,बैंक, चिकित्सा, प्रबंधन हर क्षेत्र में कंप्यूटर अत्यंत महत्वपूर्ण है।

विभागाध्यक्ष डॉ. वर्षा चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कंप्यूटर शिक्षा पद्धति का अभिन्न हिस्सा है। कंप्यूटर के कारण हम तकनीक का सही इस्तेमाल एवं समय की बचत कर पाते हैं।

व्याख्यान का सफल संचालन करते हुए सुश्री सौम्या चौहान ने कंप्यूटर के महत्वपूर्ण जानकारी एवं पहलुओं से अवगत कराया। आभार श्रीमती प्रीति ठाकुर ने किया। इस कार्यक्रम में श्री शैलेंद्र तिवारी, श्रीमती आभा वाधवा, श्री देवेंद्र सैनी ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कंप्यूटर विभाग द्वारा विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया

संकल्प कर आगे बढ़े – डॉ. कामिनी जैन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद की एन. एस. एस इकाई द्वारा दिनाँक 07.12.2021 को आजादी का अमृत महोत्सव पर एनएसएस उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसके मुख्य वक्ता शासकीय एमजीएम महाविद्यालय की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मुकेश झोटे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने की मंच पर मंचासीन डॉ किरण पगारे डॉ. रागिनी सिकरवार, रश्मि श्रीवास्तव, डॉ हर्षा चचाने, डॉ. रीना मालवीय थी।

कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर प्रार्थना के साथ एवं प्रेरण पुरूष स्वीमी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ स्वागत गीत, लक्ष्य गीत की प्रस्तुति के साथ किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य द्वारा स्वागत उद्‌बोधन में बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना से सामाजिक दायित्व एवं नागरिक बोध का विकास होता है तथा छात्राएँ ग्राम समुदाय के बीच जाकर सक्रिय सहभागिता कर अपना सर्वांगीण विकास तथा राष्ट्रीय एकता को व्यवहारिक रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती हैं। उन्होने ग्राम डोंगरवाडा में आयोजित होने वाले सात दिवसीय एनएसएस केम्प में अपनी सक्रिय सहभागिता करने के लिए कहा।

शासकीय एम.जी.एम. कॉलेज इटारसी से मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मुकेश झोटे छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि एन. एस.एस. हमें अपने जीवन में नई ऊर्जा संचालित करता है हम अच्छे नागरिक तभी बनते है जब हम अपने देश की सेवा अपने श्रम और उद्देश्यों को पूर्ण करते हुए करते हैं। इसके लिए युवाओं को आगे आना पड़ेगा उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष 1969 में इस आशा के साथ प्रारंभ की गई कि उच्च शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्व चेतना, अनुशासन के साथ श्रम के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न हो तथा विद्यार्थी अपने समय का सदुपयोग करने हेतु समाज सेवा में संलग्न रहे जिससे उनका व्यक्तित्व का विकास हो।

राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतीक चिन्ह जो उड़ीसा के कोणार्क के सूर्य मंदिर के रथ पर आधारित है के विषय में बताते हुए कहा कि प्रतीक का डिजाइन सूर्यरथ के चक्र का रूप है तथा यह निरंतरता, गति, समाज में परिवर्तन लाने और उसे उन्नत करने के लिए निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रयास करने का द्योतक है। इसके प्रत्येक पहिए में 8 तीलियॉ है जो 8 प्रहर दर्शाती है वह राष्ट्र सेवा के लिए दिन–रात अर्थात 24 घंटे तत्पर रहें एवं लाल रंग इस बात का संकेत है कि स्वयंसेविकाओं में पूरा उत्साह है वे जीवंत तथा सक्रिय है तथा स्फूर्तिवान है तथा गहरा नीला रंग उस ब्रह्मांड की ओर संकेत करता है। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना छोटा सा अंश है और मानव मात्र का कल्याण करने के लिए हम अपना अंश देने को तैयार हैं

विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में विविध गतिविधियों का हुआ आयोजन

आज युवा पीढ़ी को सतर्क रखने की आवश्यकता है: डॉ. कामिनी

उन्होने आदर्श आचारण संहिता बी एवं सी सर्टिफिकेट तथा राष्ट्रीय सेवा योजना से संबंधित विभिन्न पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र एवं विभिन्न शिविर जिसमें जिला राज्य साहसिक गतिविधि शिविर एवं राष्ट्रीय शिविर तथा सात दिवसीय विशेष कैंप के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं द्वारा देश भक्ति गीत एवं नृत्य लोकगीत लोक नृत्य जिसमें एकल नृत्य – मनीषा मिश्रा , पूजा गोस्वामी, रमीक्षा पुर्विया, प्रेरणा जायसवाल, राधिका यादव, समूह नृत्य – श्रुतिका याशिका समूह, सांभवी समूह, राजस्थानी नृत्य कुमकुम रिशिता, समूह गायन– हर्षा वर्षा समूह द्वारा प्रर्सुति दी गई।

आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के रोड मैप अनुसार ''पशुपालन के क्षेत्र में उद्यमिता विकास' आज दिनांक 09.12.2021 को शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के रोड मैप अनुसार ''पशुपालन के क्षेत्र में उद्यमिता विकास' विषय पर 'युवा संवाद' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि पशुपालन, पशु चिकित्सा एवं डेयरी उद्योग के क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते है। इस आयोजन के द्वारा विद्याार्थियों में मुर्गी पालन, गाय पालन, बकरी पालन, चारा प्रबंधन आदि क्षेत्रों में स्वरोजगार कैसे स्थापित किया जाये इसकी जानकारी विस्तार से डॉ संजय कुमार सिंघई एवं डॉ. राजेन्द्र शर्मा द्वारा प्रदान की जायेगी। इसका लाभ उठाकर आप स्बावलंबी बन सकते है। पशु पालन के क्षेत्र में आज के युवाओं की रूचि कम है क्योकि वह उसे लाभ के व्यवसाय में नही गिनते है। इस क्षेत्र में स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए अपार संभावनायें है।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रागिनी सिकरवार ने बताया कि छात्राओं को स्वरोजगार की ओर ले जाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं जिसके माध्यम से समस्त छात्राएं स्वरोजगार से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान कर सकेंगी।

कु. चारू तिवारी ने विषय प्रवर्तन करते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन ने पशुपालन के क्षेत्र में छात्राएं किस प्रकार व्यवसाय प्रारंभ कर सकती हैं, वह किस प्रकार एक सफल उद्यमी बन सकती हैं एवं पशुपालन में आमदनी के स्रोत की संपूर्ण जानकारी युवा संवाद के माध्यम से समझने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्य अतिथि डॉ संजय कुमार सिंघई पशुपालन से रोजगार के अवसर पर चर्चा करते हुए कहा कि पशुपालन जब हम व्यवसाय के रूप में करेंगे तब हम आर्थिक लाभ उठा पाएंगे। उन्होने बताया कि उन्नत विधि के द्वारा अधिकतम आर्थिक लाभ हम दो प्रकार से प्राप्त कर सकते है पहला जिसमे स्वयं का फायदा हो और दूसरा जिसमे दुसरो को भी रोजगार मिल सके।

मुख्य बक्ता डॉ राजेन्द्र शर्मा ने छात्राओं को पशुपालन कि विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पशुपालन का क्षेत्र अत्यधिक वृहद है किंतु इसके प्रति लोगों का दृष्टिकोण संकुचित है। भारत एक कृषि प्रधान देश है जिसमें 27% योगदान पशुपालन का है।

युवा संवाद : पशुपालन, पशु चिकित्सा एवं डेयरी उद्योग के क्षेत्र में स्वरोजगार के भरपूर अवसर

पशुपालन के क्षेत्र में पशुधन शक्ति, मनोरंजन का क्षेत्र, स्वास्थ्य चिकित्सा क्षेत्र, जैविक खाद ,मुर्गी पालन ,चमड़ा उद्योग ,दवाइयों का उद्योग ,जैविक ईंधन, ऊन का उद्योग, मीट का प्रोसेसिंग, आयुर्वेदिक क्षेत्र, कॉस्मेटिक उद्योग आदि में स्वरोजगार के अवसर आप प्राप्त कर सकते है। पशुपालन अधोसंरचना विकास निधि जिसमें आप 10 लाख से लेकर 50 करोड़ तक का ऋण ले सकते हैं, पशु आहार उद्योग स्थापित कर सकते हैं एवं पशुधन बीमा योजना की संपूर्ण जानकारी देते हुए छात्राओं को छोटी छोटी इकाइयों के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि महिला सशक्तिकरण का बहुत बड़ा उदाहरण हमें पशुपालन के क्षेत्र में प्राचीन काल से ही देखने को मिलता है। उन्होने अमूल डेयरी उद्योग एवं सॉची दुग्ध ईकाई का उदाहरण देते हुए छात्राओं को जागरूक किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम की संयोजक डॉ रागिनी सिकरवार एवं डॉ आशीष सोहगौरा ने आभार देते हुए कहा कि यदि भारत का युवा राष्ट्र निर्माण में संपूर्ण ऊर्जा लगा दे तो देश का विकास निश्चित ही शिखर पर होगा। समिति के सदस्य डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. मनीष चंद्र चौधरी, डॉ. नीतू पवार श्रीमती प्रीति ठाकुर डॉ. रीना मालवीय डॉ. संगीता पारे ने कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

मानव अधिकार दिवस 10 दिसंबर : शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत जनभागीदारी से जन आंदोलन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में प्रभारी प्राचार्य डॉ किरण पगारे के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन कर सरस्वती वंदना के द्वारा किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ किरण पगारे द्वारा स्वागत उद्‌बोधन में बताया कि मानव अधिकार हमें जन्म से ही प्राप्त हो जाते हैं। हमें विभिन्न प्रकार के अधिकारों का ज्ञान होना चाहिए।

राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ

श्रीकांत दुबे विभागाध्यक्ष ने बताया कि मानव अधिकारों की बात सर्वप्रथम 450 ईसवी पूर्व फारस के शासक बाबूल द्वारा की गई जिन्होंने मानव अधिकारों के अंतर्गतयुद्ध बंदियों को स्वतंत्र कराया था। मानवाधिकार के एतिहासिक परिपेक्ष्य में अशोक के आदेश पत्र, प्राचीन दस्तावेज, विभिन्न दार्शनिक धार्मिक पुस्तकें अनेक ऐसी अवधारणाएं हैं जिन्हें मानवाधिकार के रूप में चिन्हित किया जाता है। जैसे 1525 में यूरोप का प्रथम दस्तावेज द 12 आर्टिकल ऑफ ब्लैक फॉरेस्ट, सिटीजन ऑफ राइट 1791 बिल ऑफ राइट्स एवं इंग्लैण्ड के मेग्नाकार्टा को अधिकारों में स्थान दिया गया।

विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ हर्षा चचाने ने बताया कि इस वर्ष थीम असमानताओं को कम करना एवं मानव अधिकार को आगे बढ़ाना है तथा मानव अधिकारों को आगे बढ़ाना है और मानव अधिकार बनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना एवं भेदभाव रोकना है तथा इसके पालन के प्रति सजग रहना है। यू. एन. द्वारा 1948 को मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा की गई थी ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महिला थाना प्रभारी श्रीमती सुरेखा निमोदा ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि मानव अधिकार व्यक्ति को जन्म से ही प्राप्त हो जाते हैं जबकि मूल अधिकार देश अपने नागरिकों को उनके कल्याण एवं विकास के लिए प्रदत करता है इसके अंतर्गत समानता स्वतंत्रता शोषण के विरुद्ध शिक्षा एवं संस्कृति तथा धार्मिक अधिकार एवं संवैधानिक उपचारों का अधिकार आते हैं। उन्होंने मानव अधिकारों के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण एवं भारतीय दंड संहिता एवं महिला अपराध संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि महिलाओं एवं छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहना चाहिए। अपराध को कम करने हेतु उन्होंने साइबरक्राइम संबंधी होने वाले अपराधों से अवगत कराया। एवम महिलाओं से संबंधित विभिन्न प्रकार के नियमों एवं कानूनों की जानकारी भी प्रदत की। छात्राओं व्हाट्सएप पर अपनी प्रोफाइल को हमेशा लॉक करके रखें। अपराधों संबंधी हेल्प के लिए उन्होंने 100 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सर्वाधिक अपराध में वृद्धि का कारण सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के गलत तरीके से उपयोग करने से है।

महिला थाना होशंगाबाद से एस.आई श्री दिनेश मिश्रा एवं हेड कांस्टेबल श्रीमती मीना एवं महाविद्यालय से डॉ राम बाबू मैहर डॉ घनश्याम डेहरिया श्री अनिल कौशल, राजेश अहिरवार, श्री रफीक अली श्रीमती अंकिता तिवारी श्वेता वर्मा किरण विश्वकर्मा एवं डॉ नीतू पवार ने कार्यक्रम नीतू पवार ने कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए कहा कि छात्राओं को अपने अधिकार के साथ कर्तव्य को भी ध्यान रखते हुए लोगों को जागरूक करना ही चाहिए आभार डॉ रीना मालवीय द्वारा किया गया। इस अवसर पर बडी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनॉक 13.12.2021 को जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में टिमरनी, हरदा, पिपरिया, सुखतवा, सिवनी मालवा, बनखेडी, इटारसी, बाबई, नर्मदा महाविद्यालय होशंगाबाद, शासकीय

गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद की टीम ने सहभागिता की। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि विधायक महोदय डॉ. सीताशरण शर्मा, विशिष्ट अतिथि श्री सरदार सिंह राजपूत कबड्डी फेडरेशन के सचिव, विशिष्ट अतिथि श्री जसबीर सिंह, विशिष्ट अतिथि विधायक प्रतिनिधी श्रीमती संध्या थापक, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन, डॉ. संतोष व्यास, श्री जसपाल चड्डा ने अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की।

मॉ सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्जवल के पश्चात अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया। तत्पश्चात् सभी अतिथियों ने टीम सदस्यों से भेंट कर उनका उत्साह वर्धन किया।

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

इस अवसर पर क्रीडा विभाग के प्रभारी डॉ. श्रीकान्त दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे जिले की छात्राओं ने संभाग स्तर विश्वविद्यालय एवं राज्य स्तर पर अपना परचम लहराया है हमें पूर्ण विश्वास है कि छात्राएँ खेल भावना का सम्मान करते हुए अपनी पूर्ण क्षमता से जिले एवं प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी।

मुख्य अतिथि डॉ. सीताशरण शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि दो वर्ष के कोरोना काल के पश्चात हमारे खिलाड़ी होसले के साथ खेल मैदान में है। खेल हमें जीतना सिखाता है। खेल हमारे अंदर दृढ़ इच्छाशक्ति को जागृत करता है कि हमें जीत के लिए अधिक से अधिक प्रयास करना है खेल हमें हमेशा मेहनत के लिए प्रेरित करता है।

होमसाइंस कॉलेज में हुआ कार्यक्रम

खेल से दृढ़ इच्छा शक्ति जागृत होती है: डॉ. शर्मा

प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीत का अहम पहलू यह है कि आप कितने सजग सतर्क और संयम के साथ समय का सही सद्उपयोग कैसे करते है। खेल हमारे अंदर टीम वर्क को विकसित

करता है। सफलता के शिखर पर पहुॅचने के लिए टीम का सामूहिक प्रयास विजय की आधारशिला है।

पहला सेमीफाईनल टिमरनी एवं सुखतवा के बीच खेला गया जिसमें टिमरनी ने सुखतबा को 35–03 से हराया एवं दूसरा सेमीफाईनल होशंगाबाद एवं हरदा के बीच खेला गया जिसमें हरदा ने होशंगाबाद को 22–08 से हराया। फाईनल में टिमरनी ने हरदा को 29 अंको से हराया। विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्राफी प्रदान की गई। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन द्वारा विजेता एवं सहभागिता करने वाली छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए शुभकामनाए प्रदान की।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. श्रुति गोखले ने करते हुए महाविद्यालय परिवार द्वारा विभिन्न महाविद्यालयों से आये हुए टीम मेनेजर का स्वागत एवं परिचय कराते हुए खेलनियमावली से अवगत कराया। कार्यक्रम का आभार डॉ. अरूण सिकरवार ने व्यक्त किया।

इस प्रतियोगिता में श्रीमती विमला कदम, श्री रघुवीर सिंह राजपूत, श्रीमती किरण विश्वकर्मा ने अपना सक्रिय सहयोग एवं योगदान प्रदान किया। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में डॉ. किरण पगारे, डॉ. पुष्पा दुबे, डॉ. भारती दुबे, डॉ. संध्या राय, डॉ. पी.आर. मानकर, श्री कैलाश डोंगरे, डॉ. आशीष सिंह, डॉ. जी.सी. पांडे, डॉ. रामबाबू मेहर, डॉ. सी.एस. राज, डॉ. यशवंत निगवाल, डॉ. दीपक अहिरवार, डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. रीना मालवीय, डॉ. कीर्ति दीक्षित, डॉ. नीतू पवांर, श्रीमती शीतल मेहरा, श्री रफीक अली, डॉ. हेमंत चौधरी, श्री घनश्याम डेहरिया, श्री अनिल कौशल, श्रीमती नीलम चौधरी, श्री अजय तिवारी, डॉ. दशरथ मीना डॉ. विजया देवासकर, डॉ. मनीषा तिवारी, श्रीमती अंकिता तिवारी, स्वेता वर्मा, श्रीमती आभा बाधवा, डॉ. निशा रिछारिया, श्रीमती प्रीति ठाकुर, देवेन्द्र सैनी डॉ. पूजा थापक, डॉ. श्रृद्धा गुप्ता महाविद्यालयीन स्टाफ एवं भारी संख्या में छात्राऍ उपस्थित रहीं।

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद द्वारा प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में आज दिनॉक 16.12.2021 से 18.12.2021 तक मेपकास्ट के सौजन्य से ''वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन आर्थिक स्वावलंबन का सस्ता साधन'' विषय पर वेबीनार का आयोजन ऑनलाईन और ऑफलाईन दोनो मोड में किया गया। वेबीनार के प्रथम दिवस मुख्य वक्ता डॉ. ए.के. तिवारी भूतपूर्व निदेशक दलहन विकास कृषि मंत्रालय भारत सरकार, विशिष्ट वक्ता श्री निशार कुरैशी निदेशक सेंटर ऑफ डिस्कवरी फॉर विपेज डेवलपमेंट मंडल, डॉ एस.के. तिवारी वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र हरदा, प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन, संयोजक डॉ. अरूण सिकरवार, सहसंयोजक डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, डॉ. कंचन ठाकुर, सचिव डॉ. श्रीकान्त दुबे, ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की। मॉ सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्ज्वल के साथ वेबीनार का शुभारंभ किया गया।

मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण पर तीन दिवसीय वेबीनार प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्‌बोधन में मेपकास्ट की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सरोज बोकिल का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इनका सहयोग और मार्गदर्शन इस महाविद्यालय और व्यक्तिगत रूप से मुझे प्राप्त होता रहा है। मेपकास्ट के माध्यम से महाविद्यालय में मशरूम उत्पादन इकाई, वर्मी कंपोस्ट इकाई, बायोगेस इकाई के परमानेंट स्ट्रेक्चर उपलब्ध हैं जिसमें छात्राओं और जनसमुदाय को सतत् प्रशिक्षण दिया जाता है। आज भी इस बेवीनार में जनसमुदाय को जोडने का प्रयास किया गया है। प्रसार सामग्री के रूप में मधुमक्खी पालन पर एक पुस्तिका का भी निर्माण किया गया है। मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. तिवारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो अति व्यस्त होने के बाद भी वे अपने अनुभवो को बेवीनार के माध्यम से हमारे साथ साझा करेंगे। जिसमें मधुमक्खी की महत्ता, गुण, उत्पादन एवं रोजगार की जानकारी से जुडे महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। द्वितीय वक्ता श्री निशार खान का आभार व्यक्त किया। उनके द्वारा दी जाने वाली जो जानकारी हमें प्राप्त होगी वह परमानेंट स्ट्रेक्चर, कृत्रिम छत्ते के लिए निश्चित रूप से लाभदायी होगी। तृतीय वक्ता डॉ. एस.के. तिवारी जो महाविद्यालय की प्रतिभा बैंक के सम्मानित सदस्य है जो 2010 से महाविद्यालय के सम्पर्क में है उनका सतत् सहयोग हमें प्राप्त होता रहा है। उनके अनुभव हमारे लिए प्रेरणा दायक रहे है। डॉ. जैन ने कहा कि मधुमक्खियों की महत्ता के संबंध में वैज्ञानिकों ने बहुत महत्वपूर्ण अनुसंधान किये है जिनसे निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि मधुमक्खियोंकी संख्या में सतत् वृद्धि किया जाना मानव जीवन के अस्तित्व के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। मधुमक्खी का शहद हजारों साल तक भी खराब नही होता है यह एक मात्र ऐसा खाद्य है जिसके अंदर जिंदगी जीने के लिए आवश्यक सभी चीजें पाई जाती है। हमें जीने के लिए 84 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जबकि शहद में 83 तत्व पाये जातें है। यह वेबीनार इस संबंध में नवीन जानकारी से अवगत करायेगा ऐसी आशा है।

वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन के लिए तीन दिवसीय वेबिनार का आयोजन

भास्कर संवाददाता | होशंगाबाद

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 16 से 18 दिसंबर तक मेपकास्ट द्वारा वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन आर्थिक स्वावलंबन का सस्ता साधन विषय पर वेबीनार का आयोजन ऑनलाईन और ऑफलाइन किया गया। वेबीनार के प्रथम दिवस मुख्य वक्ता डॉ. एके तिवारी, विशिष्ट वक्ता निशार कुरैशी, डॉ. एसके तिवारी, प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन, संयोजक डॉ. अरुण सिकरवार, सहसंयोजक डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, डॉ. कंचन ठाकुर, सचिव डॉ. श्रीकान्त दुबे ने मधुमक्खी पालन पर अपने विचार रखे व किस प्रकार हम मधुमक्खी पालन से आर्थिक रूप से मजबूत और स्वावलंबी बन सकते है। गरिमामयी उपस्थिति रही। प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि मेपकास्ट की वरिष्ट वैज्ञानिक डॉ. सरोज बोकिल का सहयोग और मार्गदर्शन मुझे प्राप्त होता रहा है। मेपकास्ट के माध्यम से महाविद्यालय में मशरूम उत्पादन इकाई, वर्मी कंपोस्ट इकाई, बायोगेस इकाई के परमानेंट स्ट्रेक्चर उपलब्ध हैं जिसमें छात्राओं और जनसमुदाय को सतत् प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रसार सामग्री के रूप में मधुमक्खी पालन पर एक पुस्तिका का भी निर्माण किया गया है।

वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन सुधारेगी आर्थिक स्थिति

होम साइंस में वेबीनार का आयोजन

वेवीनार संयोजक डॉ. अरूण सिकरवार ने बताया कि इस महाविद्यालय में में मधुमक्खी के पालन के प्रशिक्षण की प्रक्रिया एवं शहद का उत्पादन विगत दो वर्षो से अनवरत जारी है। आज के समय में कोविड – 19 महामारी एवं भारत में बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए रोजगार एवं स्वरोजगार की अत्यधिक आवश्यकता महसूस की जा रही है इसी को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय द्वारा मधुमक्खी पालन से आर्थिक स्वावलंबन कैसे प्राप्त हो इस विषय पर यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. तिवारी भूतपूर्व निदेशक दलहन विकास कृषि मंत्रालय भारत सरकार ने मधुमक्खी से जुडी कुछ रोचक जानकारी दी जैसे – मधुमक्खियों की 20,000 से ज्यादा प्रजातियॉ है लेकिन इनमें से सिर्फ 5 ही शहद बना सकती है, मधुमक्खी धरती पर अकेली ऐसी कीट है जिसके द्वारा बनाया गया भोजन मनुष्य द्वारा खाया जाता है, केवल मादा मधुमक्खी ही शहद बना सकती है, मधुमक्खी 24 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उडती है और 1 सेकण्ड में 200 बार पंख हिलाती है, मधुमक्खी फूलों की तलाश में छत्ते से 10 किमी तक दूर चली जाती है यह एक बार में 50 से 100 फूलों का रस अपने अंदर इकट्ठा कर सकती है, मधुमक्खी अपनी पूरी जिंदगी में चम्मच के 12वें हिस्से जितना ही शहद बना पाती है, इनकी जिंदगी 45 से 120 दिन की होती है।

विशिष्ट वक्ता श्री निशार कुरैशी निदेशक सेंटर ऑफ डिस्कवरी फॉर विपेज डेवलपमेंट मंडल ने मधुमक्खी की किस्मों के बारे में बताते हुए कहा कि भारत में मुख्यरूप से मधुमक्खी की चार प्रजातियॉ पाई जाती है छोटी मधुमक्खी, पहाडी मधुमक्खी, देशी मधुमक्खी, इटेलियन मधुमक्खी, देशी मधुमक्खी प्रतिवर्ष औसतन 5 से 10 किग्रा शहद प्रति परिवार तथा इटेलियन मधुमक्खी 50 किग्रा तक शहद का उत्पादन करती है। शहद को शहद नहीं सेहत मानिये शहद उत्पादन में भारत 5 प्रमुख देशों में सम्मिलित हो चुका है।

डॉ एस.के. तिवारी वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र हरदा ने बताया कि मधुमक्खी कीट वर्ग का प्राणी है मधुमक्खी से हमें जो शहद प्राप्त होता है वह अत्यंत पौष्टिक होता है मधुमक्खियां झुंड बनाकर रहती है इस झुंड में एक रानी कई सौ नर और शेष श्रमिक होते है। यह एक विशेष प्रकार के छत्ते में रहती है एवं यह मोम से बनता है इसके वंश एपिस में 07 जातियॉ एवं 44 उपजातियॉ पाई जाती है। मधुमक्खी नृत्य के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों को पहचानती है। परागकणी जीवों में मधुमक्खी का सर्वाधिक स्थान है। कुछ फसलों पर पराकण संबंधी परीक्षण वैज्ञानिको द्वारा कियो गये है, इनसे यह सिद्ध हुआ है कि इस एक रूपये का शहद और मोम देती है तो 10 रूपये की कीमत के बराबर उत्पादन बढा देती है।

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर
कॉलेज में वेबिनार का आयोजन

'वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन आर्थिक स्वावलंबन का सस्ता साधन' विषय पर वेबिनार

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम डोंगरवाडा में सात दिवसीय आवासीय शिविर का आयोजन

जन स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम डोंगरवाडा में सात दिवसीय आवासीय शिविर का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कामिनी जैन के मार्गदर्शन में किया गया। सात दिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्रीमती गुंजन पाठक एवं कार्यक्रम की

अध्यक्ष डॉ. श्रीमती कामिनी जैन प्राचार्य शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने सर्वप्रथम मां सरस्वती एवं प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं द्वारा अतिथियों का तिलक एवं बैच लगाकर स्वागत किया गया, राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं द्वारा इस अवसर पर लक्ष्य गीत का गायन किया गया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रीना मालवीय ने अपने स्वागत भाषण में सात दिवस में होने वाले गतिविधियों पर प्रकाश डाला एवं शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि गांव में विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा जागरूकता लाई जाएगी। आगामी कार्य योजना बताते हुए उन्होने ग्राम डोंगरवाडा में मद्य निषेध, मतदाता जागरूकता, पॉलिथीन का उपयोग ना करना, बाघ संरक्षण, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन आदि किये जाने का उल्लेख किया। उन्होने कहा कि श्रमदान के अंतर्गत प्रतिदिन जल स्थल की सफाई, बौद्धिक सत्र, खेलकूद सत्र, सांस्कृतिक सत्र आदि का आयोजन होगा।

सम्मेलित किये गये है।

सात दिवसीय आवासीय शिविर शुरू

होशंगाबाद। अभी तक; जन स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम डोंगरवाडा में सात दिवसीय आवासीय शिविर का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कामिनी जैन के मार्गदर्शन में किया गया। सात दिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि गुंजन पाठक एवं कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. कामिनी जैन प्राचार्य शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने सर्वप्रथम मां सरस्वती एवं प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं द्वारा अतिथियों का तिलक एवं बैच लगाकर स्वागत किया गया, राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं द्वारा इस अवसर पर लक्ष्य गीत का गायन किया

कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि श्री प्रसाद दास, श्री शिवमंगल सिंह चौहान जी.एस.टी. सलाहकार एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अरूण सिकरवार ने इस अवसर पर स्वयं सेविकाओं को संबोधित किया।

स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया

ग्राम डोंगरवाड़ा में सात दिवसीय आवासीय शिविर का हुआ आयोजन

अतिथियों ने छात्राओं को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि शिविर के माध्यम से हम अपने स्वयं का विकास तो करती हैं साथ ही हममें राष्ट्रीय एकता की स्थापना एवं नेतृत्व करना भी सिखाया जाता है। अपनी जिम्मेदारियों को बांटने के लिए एवं अपनी क्षमताओं का विकास करने के लिए हमें तत्पर रहना चाहिए।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने राष्ट्रीय सेवा योजना के संदेश वाक्य मैं नहीं आप पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य है कि सभी को सामुदायिक कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए। उन्होने स्वयं सेविका का उत्साहवर्धन किया एवं कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है और जन जागरूकता लाना हम सब का कर्तव्य है।

कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की राष्ट्रीय स्तर की स्वयंसेवीका कु. सौम्या चौहान द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि गोद ग्राम में प्रतिदिन विभिन्न परियोजना कार्य किये जायेंगे एव बौद्धिक सत्र के दौरान व्याख्यान के माध्यम से स्वयंसेवीकाओं के व्यक्तित्व का विकास किया जाएगा तथा अनुशासन एवं अपने नैतिक कर्तव्य का पालन करना सिखाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर में लगभग 60 स्वयंसेवीकाएँ गांव में प्रतिदिन जागरूकता अभियान चलाएंगी। अंत में उन्होंने सभी अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। शिविर स्थल के प्रांगण प्रभारी गुरूजी श्री प्रसाद दास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ. हर्षा चचाने ने कहा कि गुरूजी ने इस शिविर के आश्रम प्रांगण में आयोजन की अनुमति दी इस हेतु हम आपके आभारी है। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न प्राध्यापक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में दंत परीक्षण: राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय आवासीय शिविर गोद ग्राम डोगरवाड़ा में कोविड– 19 नियम का पालन करते हुऐ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में मतदान जागरूकता एवं दंत परीक्षण कार्य किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. रीना मालवीय के नेतृत्व में शिविर की दैनिक दिनचर्या अनुसार प्रातः प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें छोटे बच्चों एवं ग्रामवासियों में भी सहभागिता दी। प्रातः महाविद्यालय के योग शिक्षक श्री रघुवीर राजपूत द्वारा पी.टी. योग एवं परेड का अभ्यास कराया गया।

परियोजना कार्य के अन्तर्गत स्वयं सेविकाओं द्वारा मतदाता जागरूकता पर नारे लगाते हुए गांव के लोगो को जागरूक किया। स्वयं सेविकाओं में गांव के मुख्य चौराहे में मतदान जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया जिसमें बडी संख्या में ग्रामवासियों द्वारा नाटक देखा गया एवं नाटक की सराहना भी की। गांव के छोटे बच्चों ने भी नारे लगाये – 'सारे काम छोड दो–सबसे पहले वोट दो मतदान हर नागरिक का अधिकार है। जैसे नारो का दीवार पर लेखन कार्य भी किया गया डॉ. चचाने द्वारा मतदान की शपथ दिलाई गई।

होशंगाबाद, सिवनी मालवा, पिपरिया, बनखेड़ी

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में दंत परीक्षण किया गया

महाविद्यालय की छात्रा दीया मेहरा आज संस्थान द्वारा ग्रामीण बच्चों को स्कूल बच्चों को

गुडटच, बेडटच के बारे में बताया।

आज शिविर के माध्यम से निःशुल्क दंत परीक्षण कराया गया। होशंगाबाद के दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. शान्तनु श्रीवास्तव द्वारा ग्राम डोगरवाडा के ग्रामवासियों का दंत परीक्षण किया गया। शिविर में स्वयं सेविकाओं, एवं गांव के लगभग 800 बच्चों, युवा और बुजुर्गो के दांतों से

संबंधित समस्याओं का निवारण किया गया। डॉ. शान्तनु द्वारा बच्चों को ब्रश एवं टुथ पेस्ट निशुल्क वितरित किये गये। डॉ. शान्तनु नें ग्रामवासियों जिनको दंत संबंधी समस्या थी उनके परीक्षण हेतु दोवारा शिविर लगाने की बात की गई। दंत समस्याओं में बच्चों के दांत में कीड़े लगना, दांत दर्द, पायरिया जैसी समस्या पाई गई। डॉ. शांन्तनु ने बच्चों को दोनो समय ब्रश करने की सलाह दी।

बौद्धिक सत्र् में डॉ. हंसा व्यास ने अपने उद्बोधन में बताया कि छात्राओं को सभी बाते अपने माता पिता से साझा करना चाहिए माता पिता हमारी सबसे पहले गुरू होते है इसलिए अपने माता पिता का सम्मान करों।

कार्यक्रम में डॉ. श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, डॉ. कचन ठाकुर, डॉ. रागिनी सिकरवार डॉ. कीर्ति दीक्षित, श्रीमती प्रीति ठाकुर, डॉ. नीतू पवार, डॉ. संगीता पारे, रफीक अली एवं बडी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।

वर्मी कंपोस्ट (केंचुआ खाद) प्रशिक्षण का शुभारंभ आज दिनाँक 21.12.2021 को शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के निर्देशन में वर्मी कंपोस्ट (केंचुआ खाद) प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि विगत 6 वर्षों से महाविद्यालय में वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन किया जा रहा है, केंचुए के द्वारा बनाई जैविक खाद को

वर्मी कंपोस्ट कहते हैं। केंचुए कृषकों के मित्र एवं भूमि की आंत भी कहलाते हैं। केंचुए प्राकृतिक रूप से भूमि की जुताई करते हैं, और प्रतिदिन भूमि में असंख्य छिद्र बनाते हैं यह छिद्र मृदा को भुरभुरा बनाने के साथ–साथ वायु संचार एवं मिट्टी की जल अवशोषण शक्ति में वृद्धि करते हैं। केंचुए जीवांश युक्त मृदा को खाकर भूमि की सतह पर उत्सर्जी पदार्थ के रूप में विसर्जित करते हैं जिसे वर्मी कॉस्टिंग कहा जाता है। इस विसर्जित पदार्थ (वर्मी कॉस्टिंग) में फसलों एवं पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस, सल्फर आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इस प्रशिक्षण से वनस्पति शास्त्र, जन्तु शास्त्र एवं जैवप्रौद्योगिकी विषय की छात्रायें इंटर्नशिप तथा स्वरोजगार के रूप अपनाकर लाभान्वित होंगी।

छात्राओं ने प्रशिक्षण में सीखा वर्मी कंपोस्ट बनाना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

होशंगाबाद. मंगलवार को होमसाइंस कॉलेज में प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन के निर्देशन में वर्मी कंपोस्ट प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। प्राचार्य डॉ. जैन ने बताया कि विगत 6 वर्षों से कॉलेज में वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन किया जा रहा है। केंचुए के द्वारा बनाई जैविक खाद को वर्मी कंपोस्ट कहते हैं। वनस्पति शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रागिनी सिकरवार एवं डॉ. मनीष चंद्र चौधरी ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट उत्पादन के लिए गोबर, काली मिट्टी, कॉलेज परिसर के पेड़ पौधों से गिरी हुई सूखी पत्तियां, फूलों एवं भोजन अपशिष्ट को कच्ची सामग्री के रूप में उपयोग किया जाता है।

इनसेनिया फिटिडॉ नामक प्रजाति के केंचुए जिन्हें सामान्यतः रेड बिंगलर अथवा रेडवर्म के नाम से भी जाना जाता है। इसको वर्मी कंपोस्टिंग के लिए उपयोग किया गया है। वर्मी कंपोस्टिंग के लिए 15 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान एवं 30 से 40 प्रतिशत नमी आदर्श होती हैं, और वर्मी कंपोस्ट को तैयार होने में लगभग 3 से 4 माह का समय लगता है। इस अवसर पर डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, प्रीति ठाकुर, आशीष सौहगोरा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

वनस्पति शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रागिनी सिकरवार एवं डॉ मनीष चंद्र चौधरी ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट उत्पादन हेतु गोबर, काली मिट्टी, महाविद्यालय परिसर के पेड़ पौधों से गिरी हुई सूखी पत्तियां, फूलों एवं भोजन अपशिष्ट को कच्ची सामग्री के रूप में उपयोग किया जाता है। इनसेनिया फिटिडॉ नामक प्रजाति के केचुए जिन्हें सामान्यतः रेड बिंगलर अथवा रेडवर्म के नाम से भी जाना जाता है, को

वर्मी कंपोस्टिंग हेतु उपयोग किया गया है। वर्मी कंपोस्टिंग हेतु 15 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान एवं 30 से 40: नमी आदर्श होती हैं, और वर्मी कंपोस्ट को तैयार होने में लगभग 3 से 4 माह का समय लगता है।

इस अवसर पर डॉ रश्मि श्रीवास्तव, श्रीमती प्रीति ठाकुर, श्री आशीष सौहगोरा एवं महाविद्यालय की विभिन्न विषयों की छात्राएं और कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में योगा, पीटी एवं ध्यान: राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के दूसरे दिवस स्वयं सेविकाओं के द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई योग शिक्षक श्री रघुवीर सिंह के निर्देशन में योगा, पीटी एवं ध्यान अभ्यास कराया गया। परियोजना सत्र में कार्यक्रम अधिकारी डॉ हर्षा चचाने एवं डॉ रीना मालवीय के मार्गदर्शन में गोद ग्राम डोंगरवाड़ा में कोरोना वायरस जागरूकता रैली निकाली गई एवं नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। स्वयं सेविकाओं ने दीवार पर नारे लेखन का कार्य किया एवं बच्चों को समझाया है बेवजह बाहर नहीं है जाना, दो गज दूरी मास्क है जरूरी बच्चे, बुजुर्गों का रखें ख्याल तोड़े हम कोरोना का जाल, नारे लगाकर ग्राम वासियों को सैनिटाइजर एवं मास्क का वितरण किया गया, साथ ही सभी ग्राम वासियों से कोरोना टीकाकरण कराने का अनुरोध किया गया।

बौद्धिक सत्र में महिला बाल विकास विभाग की, पर्यवेक्षक कु. निरुपमा माथुर ने व्यक्तिगत स्वच्छता एवं गर्भावस्था में होने वाली परेशानियों और कठिनाइयों का समाधान बताया। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था में कौन कौन से टीके लगाए जाते हैं, आंगनवाड़ी से प्राप्त पोषण आहार के बारे में भी बताया बौद्धिक सत्र में डॉ. श्रुति गोखले, सौम्या चौहान, रफीक अली, अनिल कौशल, घनश्याम डेहरिया, श्रीमती पद्मा शर्मा, उषा दायमा उपस्थित रहे।